भारत सरकार
विधि और न्याय मंत्रालय
विधि कार्य विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1218
जिसका उत्तर गुरुवार, 29 जुलाई, 2021 को दिया जाना है

मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर जनहित याचिका

1218 श्री एम. वी श्रेयम्स कुमार :

क्या **विधि और न्याय** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में विशेष रूप से मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में दायर जनहित याचिकाओं का न्यायालय-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ख) विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में कितनी जनहित याचिकाएं लंबित है ?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) और (ख) : उच्चतम न्यायालय और सभी उच्च न्यायालयों से सूचना प्राप्त हुई है । प्राप्त हुई सूचना उपाबंध के अनुसार है ।

उपाबंध

<table>
<tr><td>क्र.सं.</td><td>न्यायालय का नाम</td><td>(क) पिछले दो वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उच्चतम न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों में मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में विशेष रूप से फाईल की गई जनहित याचिकाओं का न्यायालय-वार ब्यौरा; तथा</td><td>(ख) पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr>
<tr><td>1</td><td>भारत का माननीय उच्चतम न्यायालय</td><td colspan="2">मांगी गई जानकारी के अनुसार जानकारी का अनुरक्षण नहीं किया जाता है। तथापि, उच्चतम न्यायालय विषय श्रेणी 08 के अनुसार "पत्र याचिका और जनहित याचिका मामलों" से व्यौहार करती है और पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत के उच्चतम न्यायालय में उपरोक्त विषय श्रेणी से संबंधित मामलों की कुल संख्या {एकीकृत मामला प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईसीएमआईएस) से पुनर्प्राप्त आंकड़ों के अनुसार } नीचे सारणीबद्ध है:
<table><tr><td>फाईल करने का वर्ष</td><td>फाईल किए गए कुल मामले</td></tr><tr><td>2019</td><td>1176</td></tr><tr><td>2020</td><td>1319</td></tr><tr><td>2021, 23.07.2021 तक</td><td>541</td></tr></table>
इसके अतिरिक्त, भारत के उच्चतम न्यायालय में 23.07.2021 तक {एकीकृत मामला प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईसीएमआईएस) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार} उपरोक्त विषय श्रेणी से संबंधित लंबित मामलों की कुल संख्या 2879 है।</td></tr>
<tr><td>2</td><td>माननीय बॉम्बे उच्च न्यायालय</td><td>ऐसी जनहित याचिकाओं का कोई अलग अभिलेख नहीं रखा जाता है</td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>सिविल</td><td>दाण्डिक</td><td>योग</td></tr><tr><td>2019</td><td>376</td><td>9</td><td>385</td></tr><tr><td>2020</td><td>271</td><td>23</td><td>294</td></tr><tr><td>2021</td><td>299</td><td>26</td><td>325</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>3</td><td>माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय</td><td>विशेषतया मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में फाईल की गई जनहित याचिकाओं का डाटा, कंप्यूटर डाटा बेस पर उपलब्ध नहीं है।</td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाएं</td></tr><tr><td>2019</td><td>677</td></tr><tr><td>2020</td><td>812</td></tr><tr><td>2021 (23.07.2021)</td><td>571</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>4</td><td>माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय</td><td></td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाएं</td></tr><tr><td>2019</td><td>186</td></tr></table></td></tr>
</table>

<table>
<tr><td></td><td></td><td>204 जनहित याचिकाएं फाईल की गई हैं</td><td><table><tr><td>2020</td><td>177</td></tr><tr><td>2021 (22.07.2021 तक)</td><td>173</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>5</td><td>माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय</td><td>06 जनहित याचिका फाईल की गई हैं</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित जनहित याचिकाएं</th></tr><tr><td>2019</td><td>96</td></tr><tr><td>2020</td><td>181</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>224</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>6</td><td>माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय</td><td>जहां तक इस न्यायालय का संबंध है, इस न्यायालय में विभिन्न विषयों पर फाईल जनहित याचिकाओं में कई विषय कोड निर्दिष्ट हैं, तथापि, विशिष्टतया मूल अधिकारों से संबंधित जनहित याचिकाओं के लिए अनन्य रूप से कोई विषय कोड विनिर्दिष्ट नहीं है ।</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>457</td></tr><tr><td>2020</td><td>590</td></tr><tr><td>2021</td><td>683</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>7</td><td>माननीय गुवाहाटी उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>60</td></tr><tr><td>2020</td><td>70</td></tr><tr><td>2021</td><td>35</td></tr></table></td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>85</td></tr><tr><td>2020</td><td>119</td></tr><tr><td>2021</td><td>128</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>8</td><td>माननीय गुजरात उच्च न्यायालय</td><td colspan="2"><table><tr><th>वर्ष</th><th>मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या</th><th>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>20</td><td>412</td></tr><tr><td>2020</td><td>40</td><td>481</td></tr><tr><td>2021 (22.07.2021 तक)</td><td>17</td><td>510</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>9</td><td>माननीय आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाईल किए गए मामलों की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>187</td></tr><tr><td>2020</td><td>318</td></tr><tr><td>2021 (20.07.2021 तक)</td><td>141</td></tr></table></td><td>जनहित याचिकाओं से संबंधित पिछले दो वर्षों के दौरान 213 मामले और चालू वर्ष में 81 मामले लंबित हैं</td></tr>
<tr><td>10</td><td>माननीय हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय</td><td>पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में कोई नई जनहित याचिका फाईल नहीं की गई थी</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित</th></tr><tr><td>2019</td><td>16</td></tr><tr><td>2020</td><td>6</td></tr><tr><td>2021</td><td>13</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>1 1</td><td>माननीय जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय</td><td>फाईल जनहित याचिकाओं की कुल संख्या 247 है और 68 जनहित याचिकाएं मूल अधिकारों के उल्लंघन से संबंधित हैं।</td><td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित जनहित याचिकाओं की</th></tr></table></td></tr>
</table>

<table>
<tr><td></td><td></td><td></td><td><table><tr><td></td><td>संख्या</td></tr><tr><td>2019</td><td>87</td></tr><tr><td>2020</td><td>109</td></tr><tr><td>2021</td><td>51</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>12</td><td>माननीय झारखंड उच्च न्यायालय</td><td colspan="2"><table><tr><td>वर्ष</td><td>मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या</td><td>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr><tr><td>2019</td><td>40</td><td>97</td></tr><tr><td>2020</td><td>23</td><td>124</td></tr><tr><td>2021</td><td>08</td><td>47</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>13</td><td>माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय</td><td colspan="2"><table><tr><td>वर्ष</td><td>फाईल</td><td>लंबित</td></tr><tr><td>2019</td><td>465</td><td>227</td></tr><tr><td>2020</td><td>516</td><td>607</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>498</td><td>649</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>14</td><td>माननीय केरल उच्च न्यायालय</td><td>यह रजिस्ट्री उनकी विषय-वस्तु के आधार पर फाईल की गई जनहित याचिकाओं के ब्यौरों के समेकन का अनुरक्षण नहीं कर रही है, इसलिए यह कार्यालय मूल अधिकारों के उल्लंघन के विरूद्ध फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या प्रस्तुत करने की स्थिति में नहीं है।</td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>लंबित</td></tr><tr><td>2019</td><td>106</td></tr><tr><td>2020</td><td>84</td></tr><tr><td>2021 (22.07.2021 तक)</td><td>75</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>15</td><td>माननीय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय</td><td>जनहित याचिका की प्रकृति की सभी रिट याचिकाएं मूल अधिकारों के उल्लंघन को चुनौती देने वाले भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अधीन फाईल की जाती हैं।<table><tr><td>वर्ष</td><td>संस्थान</td></tr><tr><td>2019</td><td>544</td></tr><tr><td>2020</td><td>570</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>373</td></tr></table></td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>लम्बित</td></tr><tr><td>2019</td><td>236</td></tr><tr><td>2020</td><td>266</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>256</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>16</td><td>माननीय मद्रास उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>फाईल की गई (मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में)</td></tr><tr><td>2019</td><td>3</td></tr><tr><td>2020</td><td>6</td></tr><tr><td>2021 (26.07.2021 तक)</td><td>3</td></tr></table></td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr><tr><td>2019</td><td>2599</td></tr><tr><td>2020</td><td>1966</td></tr><tr><td>2021 (26.07.2021 तक)</td><td>1133</td></tr></table></td></tr>
<tr><td>17</td><td>माननीय मणिपुर उच्च न्यायालय</td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>फाईल जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr><tr><td>2019</td><td>53</td></tr></table></td><td><table><tr><td>वर्ष</td><td>लंबित</td></tr><tr><td>2019</td><td>24</td></tr></table></td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td><table><tr><td>2020</td><td>51</td></tr><tr><td>2021</td><td>37</td></tr></table>उन जनहित याचिकाओं की पहचान करना मुश्किल है जिनमें मूल अधिकारों का उल्लंघन शामिल है क्योंकि इसके लिए कोई अलग श्रेणी नहीं रखी गई है।</td>
<td><table><tr><td>2020</td><td>23</td></tr><tr><td>2021</td><td>57</td></tr></table></td>
</tr>
<tr>
<td>18</td>
<td>माननीय मेघालय उच्च न्यायालय</td>
<td><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाईल</th></tr><tr><td>2019</td><td>3</td></tr><tr><td>2020</td><td>5</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>5</td></tr></table></td>
<td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित</th></tr><tr><td>2019</td><td>25</td></tr><tr><td>2020</td><td>35</td></tr><tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>23</td></tr></table></td>
</tr>
<tr>
<td>19</td>
<td>माननीय उड़ीसा उच्च न्यायालय</td>
<td colspan="2"><table><tr><th>वर्ष</th><th>फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या</th><th>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>501</td><td>2438</td></tr><tr><td>2020</td><td>684</td><td>2820</td></tr><tr><td>2021 (22.07.2021 तक)</td><td>367</td><td>2544</td></tr></table></td>
</tr>
<tr>
<td>20</td>
<td>माननीय पटना उच्च न्यायालय</td>
<td><table><tr><th>वर्ष</th><th>संस्थित जनहित याचिकाओं की संख्या</th></tr><tr><td>2019</td><td>601</td></tr><tr><td>2020</td><td>366</td></tr><tr><td>2021 (20.07.2021 तक)</td><td>490</td></tr></table></td>
<td><table><tr><th>वर्ष</th><th>लंबित जनहित याचिकाएं</th></tr><tr><td>2019</td><td>803</td></tr><tr><td>2020</td><td>363</td></tr><tr><td>2021 (20.07.2021 तक)</td><td>476</td></tr></table></td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td>21</td>
<td>माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय</td>
<td>विशिष्टतया मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में फाईल की गई जनहित याचिका से संबंधित कोई पृथक श्रेणी उपलब्ध नहीं है। जनहित याचिका नियम, 2010 की संपोषणीयता के अधीन न्यायालय में जनहित याचिका फाईल की जाती है और सभी जनहित याचिकाओं को एक श्रेणी के रूप में सूचीबद्ध किया जाता है। इस न्यायालय में जनहित याचिका की श्रेणी को फास्ट ट्रैक मार्क के रूप में समनुदेशित किया गया है। तथापि, पिछले दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस माननीय उच्च न्यायालय में फाईल/रजिस्ट्रीकृत जनहित याचिकाओं की संख्या इस प्रकार है:
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>फाईल/रजिस्ट्रीकृत</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>275</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>206</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>106</td></tr>
<tr><td>योग</td><td>587</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाओं की गणना</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>415</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>439</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>458</td></tr>
<tr><td>योग</td><td>1312</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>22</td>
<td>माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या (विशिष्टतया मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में)</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>210</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>229</td></tr>
<tr><td>2021 (24.07.2021 तक)</td><td>192</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>680</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>958</td></tr>
<tr><td>2021 (24.07.2021 तक)</td><td>1112</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>23</td>
<td>माननीय सिक्किम उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>मूल अधिकारों के उल्लंघन के संबंध में फाईल फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>5</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>4</td></tr>
<tr><td>2021</td><td>3</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>लंबित</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>06</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>07</td></tr>
<tr><td>2021 (20.07.2021 तक)</td><td>02</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
<tr>
<td>24</td>
<td>माननीय त्रिपुरा उच्च न्यायालय</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>संस्थित जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>24</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>12</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>08</td></tr>
</table>
</td>
<td>
<table>
<tr><td>वर्ष</td><td>लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या</td></tr>
<tr><td>2019</td><td>12</td></tr>
<tr><td>2020</td><td>14</td></tr>
<tr><td>2021 (30.06.2021 तक)</td><td>13</td></tr>
</table>
</td>
</tr>
</table>

25	माननीय तेलंगाना उच्च न्यायालय	वर्ष	फाईल की गई जनहित याचिकाओं की संख्या	वर्ष	लंबित जनहित याचिकाओं की संख्या
		2019	7	2019	139
		2020	17	2020	170
		2021	06	2021	48
26	माननीय उत्तराखंड उच्च न्यायालय	वर्ष	फाईल	वर्ष	लंबित
		2019	220	2019	116
		2020	224	2020	127
		2021 (23.07.2021 तक)	111	2021	100

****